Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) _____
   (Name) _____
2. (Signature) _____
   (Name) _____

Roll No. | | | | | | | |
(In figures as per admission card)

Roll No._____
(In words)

Test Booklet No.

D-7909

Time : **2 1/2** hours] [Maximum Marks : **200**

PAPER-III
VISUAL ARTS

Number of Pages in this Booklet : **40** Number of Questions in this Booklet : **26**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. Answer to short answer/essay type questions are to be given in the space provided below each question or after the questions in the Test Booklet itself.

   No Additional Sheets are to be used.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the Question Booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
4. Read instructions given inside carefully.
5. One page is attached for Rough Work at the end of the booklet before the Evaluation Sheet.
6. If you write your name or put any mark on any part of the Answer Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, you will render yourself liable to disqualification.
7. You have to return the test booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
8. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
9. **Use of any calculator or log table etc., is prohibited.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए ।
2. लघु प्रश्न तथा निबंध प्रकार के प्रश्नों के उत्तर, प्रत्येक प्रश्न के नीचे या प्रश्नों के बाद में दिये हुए रिक्त स्थान पर ही लिखिये ।

   इसके लिए कोई अतिरिक्त कागज का उपयोग नहीं करना है ।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी । पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी कागज की सील को फाड़ लें । खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें ।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं । दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें । इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे । उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा ।**
4. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें ।
5. उत्तर-पुस्तिका के अन्त में कच्चा काम (Rough Work) करने के लिए मूल्यांकन शीट से पहले एक पृष्ठ दिया हुआ है ।
6. यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर अपना नाम या ऐसा कोई भी निशान जिससे आपकी पहचान हो सके, किसी भी भाग पर दर्शाते या अंकित करते हैं तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित कर दिये जायेंगे ।
7. आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और इसे परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें ।
8. **केवल नीले/काले बाल प्वाईंट पैन का ही इस्तेमाल करें ।**
9. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है ।**

VISUAL ARTS
दृश्य कलाएँ

Paper-III
प्रश्नपत्र-III

Note : This paper is of **two hundred (200)** marks containing **four (4)** sections. Candidates are required to attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein.

नोट : यह प्रश्नपत्र **दो सौ (200)** अंकों का है एवं इसमें **चार (4)** खंड हैं । अभ्यर्थियों को इनमें समाहित प्रश्नों का उत्तर अलग दिये गये विस्तृत निर्देशों के अनुसार देना है ।

Section – I
खण्ड – I

Note : This **section** contains **five (5)** questions based on the following paragraph. Each question should be answered in about **thirty (30)** words and carries **five (5)** marks.

(5 × 5 = 25 Marks)

नोट : इस खंड में निम्नलिखित अनुच्छेद पर आधारित **पाँच (5)** प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **तीस (30)** शब्दों में अपेक्षित है । प्रत्येक प्रश्न **पाँच (5)** अंकों का है । **(5 × 5 = 25 अंक)**

Today, visual language has changed from its traditional methods of execution to means of applying different materials and techniques. 'Gallery Space' has become the potent and forceful exhibition space in order to show creativity. However, some are also involved in using public spaces for exhibition of art works. There is a general tendency among the practitioners of art for considering 'gallery space' as the only valid space to show creative potential. Neither the public spaces nor the gallery spaces are just confined to one particular mode of expression. In the public sphere, any visual product becomes an 'object of art'. Thus the notion of so called 'high-art' gets blurred with the mass productions of any art object. Calendars, posters and day-to-day objects are good examples. They all bear visual potential to attract the onlooker. Advertising banners displayed in public spaces have assumed the role of 'art-objects' because of its attractive and commercial value. Their role is no-more limited to mere sale-target but they have assumed the importance of making any consumer object survive in the memory of public.

Technological innovations have completely changed the practices of art. It may be observed that technological innovations have proved to bring-in a different visual quality. The most unfortunate part of the technology is its accessibility. Not everyone has an access to technological resources, and theatre, productions based on technological means have become luxury of few where those who have no access cannot experiment and also cannot innovate.

The mechanised visual productions are used for a 'targeted audience'. Their impact is so powerful that the message that has political overtone is read as realities of life. Thus, art has to play a 'responsible' role in the society.

Art in public domain will always question the validity of art. Potential danger would be a confrontation with certain section of the society which an artist has to face. Nevertheless artist who work with clear ideas make their stand-point very clear by defining their ideological positions. In short, artist has to engage himself/herself to interact in public spaces in order to communicate visually. The public also need to be educated, sensitised to such visuals so that adverse reactions and confrontations can be avoided.

आज दृश्य-भाषा, कार्यान्वयन की अपनी परम्परागत विधि से परिवर्तित होकर, विभिन्न सामग्रियों तथा तकनीकों को प्रयोग में लेने का साधन बन गई है । 'गैलरी स्पेस' सृजनात्मकता को दर्शाने के लिए एक सशक्त एवं प्रबल प्रदर्शन-स्थान बन गया है । तथापि, कलाकृतियों के प्रदर्शन हेतु कुछ लोग 'पब्लिक स्पेसेज़' का भी उपयोग करते हैं । कला के साधकों के बीच एक सामान्य प्रवृत्ति यह देखने को मिलती है कि वे सृजनात्मक शक्यताओं को दर्शाने के लिए, 'गैलरी स्पेस' को एकमात्र मान्य स्थान समझते हैं । 'पब्लिक स्पेस' अथवा 'गैलरी स्पेस' दोनों में से कोई भी अभिव्यक्ति की किसी एक रीति तक ही सीमित नहीं होते । सार्वजनिक क्षेत्र में कोई भी दृश्य उत्पाद एक कला-वस्तु बन जाता है । इस प्रकार, 'उच्च कला' की तथाकथित धारणा किसी कला-वस्तु के पुंजोत्पादन के साथ मलिन होने लगती है । कैलेण्डर, पोस्टर तथा दैनिक उपयोग की वस्तुएँ इसका अच्छा उदाहरण हैं । प्रेक्षकों को आकर्षित करने की उनमें दृश्यात्मक शक्यता होती है । सार्वजनिक स्थानों पर विज्ञापन हेतु लगाए गए बैनरों ने अपने आकर्षणकारी एवं वाणिज्यिक मूल्य के कारण कला-वस्तु की भूमिका धारण कर ली है । अब उनकी भूमिका विक्रय-लक्ष्य को प्राप्त करने तक ही सीमित नहीं रह गई है, अपितु वे इतने महत्त्वपूर्ण बन गए हैं कि वे किसी उपभोक्ता-सामग्री को जन-स्मृति में अक्षुण्ण रखने में समर्थ हो गये हैं ।

प्रौद्योगिकीय नवप्रवर्तनों ने कला की कार्य पद्धति को पूरी तरह बदल दिया है । यह कहा जा सकता है कि प्रौद्योगिकीय नवप्रवर्तन एक भिन्न दृश्यात्मक गुणवत्ता को लाने में सफल रहे हैं । प्रौद्योगिकी तक पहुँच इसका सर्वाधिक दुर्भाग्यपूर्ण भाग है । प्रौद्योगिकीय संसाधन हर किसी के लिए अभिगम्य नहीं हैं । अत: इस प्रकार, प्रौद्योगिकीय साधनों पर आधारित उत्पाद कुछ लोगों के लिए विलासोपकरण हैं जबकि जिन लोगों की पहुँच से यह बाहर हैं वे न तो इनमें प्रयोग कर सकते हैं न ही नवप्रवर्तन कर सकते हैं ।

मशीन द्वारा निर्मित दृश्य उत्पादों को एक लक्षित उपभोक्ता वर्ग के लिए तैयार किया जाता है । उनका प्रभाव इतना सशक्त होता है कि राजनीतिक व्यंजना वाले संदेश को भी जीवन ही यथार्थता के रूप में लिया जाता है । अत: कला को समाज में एक दायित्वपूर्ण भूमिका का निर्वाह करना होगा ।

सार्वजनिक जीवन में कला सदैव ही कला की प्रामाणिकता पर प्रश्न उठाएगी । समाज के एक वर्ग के साथ प्रतिरोध एक संभावित खतरा है जिसका सामना एक कलाकार को करना होगा । तथापि, एक सुस्पष्ट विचार के साथ काम करने वाले कलाकार अपनी वैचारिक स्थिति को परिभाषित कर अपने दृष्टिकोण को पूर्णत: स्पष्ट करते हैं । संक्षेप में, दृश्यात्मक सम्प्रेषण के लिए एक कलाकार को सार्वजनिक स्थानों में भी भाग लेना होगा । फिर भी, जन साधारण को भी दृश्य-सामग्रियों के प्रति शिक्षित तथा सुग्राही बनाना होगा ताकि विरोधी प्रतिक्रियाओं तथा प्रतिरोधों से बचा जा सके ।

1. Explain importance of 'gallery space' and 'public space'.
'वीथि-स्थान' तथा 'सार्वजनिक स्थान' की व्याख्या कीजिए ।

2. What are the advantages and disadvantages of 'technology' in art production ?
कला-उत्पादन में प्रौद्योगिकी के लाभालाभ क्या हैं ?

3. Describe the role of 'Visual' production in public spaces.
सार्वजनिक स्थानों में दृश्य-उत्पाद की भूमिका का वर्णन कीजिए ।

4. Why confrontations take place between artist and society ?
समाज तथा कलाकार के बीच प्रतिरोध क्यों उत्पन्न होते हैं ?

5. What is a potential danger involved in politically overtoned images in public spaces ?
सार्वजनिक स्थानों पर राजनीतिक व्यंजना वाली आकृतियों के संभावित खतरे क्या हैं ?

Section – II

खण्ड – II

Note : This section contains **fifteen (15)** questions, each to be answered in about **thirty (30)** words. Each question carries **five (5)** marks. **(15 × 5 = 75 Marks)**

नोट : इस खंड में **पाँच-पाँच (5-5)** अंकों के **पंद्रह (15)** प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **तीस (30)** शब्दों में अपेक्षित है । **(15 × 5 = 75 अंक)**

6. What is Manuscript Paintings ? Explain.

पाण्डुलिपि पेण्टिंग क्या है ? व्याख्या कीजिए ।

7. What do you mean by Ragamala Paintings ? Give examples.
रागमाला पेण्टिंग्स से आप क्या समझते हैं ? उदाहरण दीजिए ।

8. Appreciate any work of art by applying Shadanga or Six Limbs.
षडांग या छ: अंगों का उपयोग करते हुए किसी एक कलाकृति का समालोचनात्मक अध्ययन प्रस्तुत कीजिए ।

9. What are the advantages of classified advertising on the web ?
वेब पर वर्गीकृत विज्ञापन देने के लाभ क्या हैं ?

10. Distinguish the difference between 'readership' and 'circulation'.
'पाठक संख्या' तथा 'वितरण संख्या' के बीच अंतर स्पष्ट कीजिए ।

11. Define corporate advertising with its various aspects.
कार्पोरेट विज्ञापन की परिभाषा इसके विविध पहलुओं के साथ दीजिए ।

12. What is marble ? Give geological information of its formation.
संगमरमर क्या है ? इसकी रचना के बारे में भूगर्भीय सूचना दीजिए ।

13. Write in brief on contemporary mix-media sculptures.
समसामयिक मिश्र-माध्यम मूर्त्तियों के बारे में संक्षेप में लिखिए ।

14. Why Ram Kinkar Baiz is considered as 'The Father of Modern Indian Sculptures' ?
राम किंकर बैज को 'आधुनिक भारतीय शिल्पकला का जनक' क्यों माना जाता है ?

15. What is the role of roller-press machine in the print-making ?
छापा-कला में रोलर-प्रेस मशीन की भूमिका क्या है ?

16. How is 'acid-bath' effective in metal plate printing process ?
धातु-तशतरी छापा प्रक्रिया में 'एसिड-बाथ' किस तरह परिणामकारक है ?

17. What are the different tools used in print making process ?
छापा-कला प्रक्रिया में कौन से अलग-अलग उपकरण इस्तेमाल किये जाते हैं ?

18. Explain the importance of visual documentation.
दृश्य प्रलेखन का महत्त्व समझाइए ।

19. Write a note on constructivism.
रचनावाद के बारे में एक टिप्पणी लिखिए ।

20. Explain briefly on the exhibition catalogue as service of information.
प्रदर्शन सूचिका को माहिती पत्र सेवा के रूप में समझाइए ।

Section – III

खण्ड – III

Note : This section contains **five (5)** questions from each of the electives/specialisations. The candidate has to choose only **one** elective/specialisation and answer all the **five** questions from it. Each question carries **twelve** (**12**) marks and is to be answered in about **two hundred** (**200**) words. **(5 × 12 = 60 Marks)**

नोट : इस खण्ड में प्रत्येक ऐच्छिक इकाई / विशेषज्ञता से **पाँच (5)** प्रश्न हैं । अभ्यर्थी को केवल **एक** ऐच्छिक इकाई / विशेषज्ञता को चुनकर उसी में से **पाँचों** प्रश्नों का उत्तर देना है । प्रत्येक प्रश्न **बारह (12)** अंकों का है व उसका उत्तर लगभग **दो सौ (200)** शब्दों में अपेक्षित है । **(5 × 12 = 60 अंक)**

ELECTIVE-I

विकल्प-I

(Drawing and Painting)

(ड्रॉईंग और पेटिंग)

21. Trace the development of the Decani School of Paintings.
दक्षिणी चित्रकला की शैली के विकास का ब्योरा प्रस्तुत कीजिए ।

22. What are the special features of the Ajanta Paintings ?
अजन्ता की चित्रकला की विशिष्ट विशेषताएँ क्या हैं ?

23. What is Pointalism ? Explain.
बिन्दुवाद क्या है ? व्याख्या कीजिए ।

24. Compare and contrast the folk art and classical art.
लोककला एवं शास्त्रीय कला की तुलना करें और इनके बीच विषमताओं का उल्लेख करें ।

25. Explain 'Art for Art Sake'.
'कला के लिए कला' की व्याख्या कीजिए ।

OR/अथवा

ELECTIVE-II
विकल्प-II

(Art History)
(कला-इतिहास)

21. Explain the impact of art movements on art historical writings.
कला-इतिहास लिखाई में कला आंदोलन के प्रभाव के बारे में लिखिए ।

22. Differentiate the early and later phase in cave architecture of Ajanta Caves.
अजंता गुफाओं के पूर्वी और उत्तरी गुफा-स्थापत्य का अंतर स्पष्ट कीजिए ।

23. Write on Buddhist narrative sculptures.
बौद्ध वृत्तांत शिल्प के बारे में लिखिए ।

24. Explain the 'avatar theory' in the context of Vishnu images.
विष्णु प्रतिमाओं के परिप्रेक्ष्य में 'अवतार सिद्धांत' को स्पष्ट कीजिए ।

25. Write a critic of A.K. Kumarswamy's writings.
ए. के. कुमारस्वामी की लिखाई पर आलोचनात्मक टिप्पणी कीजिए ।

OR/अथवा

ELECTIVE-III
विकल्प-III

(Sculpture)
(शिल्प कला)

21. Write an essay on the significance of materials and techniques used in modern sculpture.
आधुनिक शिल्प कला में प्रयुक्त सामग्रियों तथा प्रविधियों की महत्ता पर एक निबंध लिखिए ।

22. Do you agree with the view that art has its social-political relevance in present day context ? If yes, explain with proper reasons.
क्या आप इस विचार से सहमत हैं कि आज के संदर्भ में कला की अपनी सामाजिक – राजनीतिक प्रासंगिकता है ? यदि हाँ, तो उचित तर्क देते हुए व्याख्या कीजिए ।

23. Explain the importance of Mauryan Sculptures in the development of Plastic representation of animal figure and nature.

पशुओं तथा प्रकृति की आकृतियों के प्लास्टिक रूपांकन के विकास में मौर्यकालीन मूर्तियों के महत्त्व की व्याख्या कीजिए ।

24. What are the special characteristics of Meera Mukherjee's sculptures ? Explain.

मीरा मुखर्जी की मूर्तियों के विशिष्ट अभिलक्षण क्या हैं ? व्याख्या कीजिए ।

25. Elaborate the term "Installation Art".

"प्रतिष्ठापन कला" पद के बारे में विस्तारपूर्वक लिखिए ।

OR/अथवा

ELECTIVE-IV
विकल्प-IV

(Print-Making)
(छापा-कला)

21. Write different institutions for study of print-making in India.

भारत में छापा-कला अध्ययन के विभिन्न संस्थाओं के बारे में लिखिए ।

22. Mention innovative techniques in traditional print-making process.

पारंपरिक छापा-कला प्रक्रिया में नवप्रवर्तक तकनीक के प्रयोग को स्पष्ट कीजिए ।

23. Explain application of various tool in print-making process.

छापा-कला प्रक्रिया में अलग-अलग उपकरणों के इस्तेमाल के बारे में लिखिए ।

24. How 'silk-screen printing' is used to create a work of art ? Mention few examples.

'सिल्क स्क्रीन' छापा प्रक्रिया को कलाकृति बनाने में कैसा उपयोग किया जाता है, उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए ।

25. What is dry-point ? Explain with examples.

ड्राय पोईंट क्या है ? सोदाहरण स्पष्ट कीजिए ।

OR/अथवा

ELECTIVE-V
विकल्प-V

(Applied Arts)
(अनुप्रयुक्त-कला)

21. What is point-of-sale (POS) display material ? Discuss the examples of the same.
प्वायंट-ऑफ-सेल (पी ओ एस) प्रदर्शन सामग्री क्या है ? इसके उदाहरणों का विवेचन कीजिए ।

22. Differentiate outdoor and transportation advertising with examples.
बहिर्द्वारी तथा परिवहन विज्ञापन के बीच अंतर को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए ।

23. What are the advantages of television advertising ? Discuss in detail.
टेलीविज़न पर विज्ञापन के लाभ क्या हैं ? विस्तारपूर्वक विवेचन कीजिए ।

24. What are the advantages and disadvantages of the press as an advertising medium ?
विज्ञापन के माध्यम के रूप में समाचार-पत्रों के लाभ तथा हानियाँ क्या हैं ?

25. How does the copywriter contribute to the creativity of an advertising campaign ?
किसी विज्ञापन अभियान में एक कॉपीराइटर किस प्रकार से योगदान करता है ?

Section – IV

खण्ड – IV

Note : This section consists of **one** essay type question of **forty** (**40**) marks to be answered in about **one thousand** (**1000**) words on any **one** of the following topics.

(1 × 40 = 40 Marks)

नोट : इस खण्ड में एक **चालीस (40)** अंकों का निबन्धात्मक प्रश्न है जिसका उत्तर निम्नलिखित विषयों में से केवल **एक** पर, लगभग **एक हजार (1000)** शब्दों में अपेक्षित है । **(1 × 40 = 40 अंक)**

26. (a) Write an essay on "the contribution of advertising towards the society".

'समाज के प्रति विज्ञापन का योगदान' के ऊपर एक निबंध लिखिए ।

OR/अथवा

(b) What is Baroque Art ? Discuss critically the works of any three major Baroque painters.

बारोक कला क्या है ? किन्हीं तीन बारोक चित्रकारों की कृतियों का आलोचनात्मक विवेचन कीजिए ।

OR/अथवा

(c) Write an essay on the primitive element in the modern sculpture.

आधुनिक मूर्तिकला में पॉजिटिव तत्त्व पर एक निबंध लिखिए ।

OR/अथवा

(d) Expressiveness as quality of print-making in the works of Laxma Gaud, Amitabh Banerjee, Nagdas and Savi Sawarkar. Explain.

लक्ष्मा गौड़, अमिताभ बैनर्जी, नागदास और सवी सावरकर के छापा-कला में अभिव्यंजकता की विशेषता को स्पष्ट कीजिए ।

OR/अथवा

(e) Critically evaluate the politics of art historical writings and their impact on cultural studies.

कला-इतिहास लिखाई के राजनैतिकता तथा उसके सांस्कृतिक अध्ययन पर प्रभाव का आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए ।

OR/अथवा

Evaluate the concept of 'New Art-History'.

'नव कला-इतिहास' की अवधारणा का मूल्यांकन करें ।

FOR OFFICE USE ONLY	
Marks Obtained	
Question Number	Marks Obtained
1	
2	
3	
4	
5	
6	
7	
8	
9	
10	
11	
12	
13	
14	
15	
16	
17	
18	
19	
20	
21	
22	
23	
24	
25	
26	

Total Marks Obtained (in words) .....

(in figures) .....

Signature & Name of the Coordinator .....

(Evaluation) Date .....